* इतिहास (History) *

~~→इतिहास~~

* धर्म (Religion) :-

विश्व → 4500 संप्रदाय
- 31% – इसाई
- 23% – मुस्लिम
- 15% – हिन्दू
- 7% – बौद्ध

• दुनिया में सबसे पुराना धर्म : सनातन / हिंदु / आर्य
- ↓ साधारण नियम है। ↓ आस्था है।
- मूर्ति पूजा

• इसाई धर्म :-
↳ प्रमुख पुस्तक :- "बाइबिल"
⇓
पहली पुस्तक जिसने नियम बनाए।

• इस्लाम धर्म :-
→ पैगम्बर मोहम्मद का जन्म :- 570 AD
(मक्का, सऊदी अरब)

→ प्रमुख पुस्तक :- कुरान – विशेष नियम

→ अरब देश – रेगिस्तान – कुछ उपजाऊ भूमि
↳ प्रत्येक कबीले का एक देवता (प्राकृतिक वस्तुऐं)
⇓
(जल, वृक्ष, पत्थर)

4 खलीफा
↓
उम्मैयद वंश
(633 – 750 AD)
↓
18 खलीफा

- अबु बकर – पहले खलीफा
  - ↳ पैगम्बर मो. के ससुर
  - ↳ इनके अनुयायी सुन्नी कहलाए
- उमर (634 AD में) → सीरिया, मिस्र, ईरान जीता
- उस्मान (644 AD)
- अली (656 AD में)
  - ↳ पैगम्बर मो० के दामाद
  - ↳ इनके अनुयायी शिया कहलाए

→ उम्मयद वंश का खात्मा अब्बासियों ने किया।
(750 AD में)

* भारत में इस्लाम (Islam In India) :-

→ सर्वप्रथम व्यापार के द्वारा इस्लाम ने भारत में प्रवेश किया।
- भारत - मसाले, रेशम, कपास, अनाज
- अरब - खजूर, जैतून, ~~ऊँ~~ ऊँट

→ भारत में पहली मस्जिद - 628 AD
  ↳ "चेरामन जुमा मस्जिद" (केरल)

→ भारत में अरब आक्रमण का वर्णन "चचनामा" पुस्तक से मिलता है, जिसके लेखक - 'अली-की'

→ खलीफा का भारत के लिए आदेश :-
1.) इस्लाम का प्रचार
2) धन लूटना
3) मंदिरों को तोड़ना
4) साम्राज्य स्थापित करना

पहला आक्रमण - 636 AD में : मुंबई पर
  ↳ "उमर" द्वारा - असफल

*सिंध :-
↳ शासन - राय वंश का
  ↳ अंतिम शासक - रायसाहसी II
  ↳ मंत्री चाच ने सिंध पर आक्रमण कर जीत लिया।

→ चाच ⟶ चन्द्र ⟶ दाहिर

→ ऐसा कहते है - राजा दाहिर ने अरब व्यापारी के साथ सिंध में लूट की
व्यापारी लंका (सेरेन्डिब) से आ रहा था।

→ सिंध पर पहला आक्रमण - अब्दुल्ला, बुदैल (711 AD)
(असफल)

→ 712 AD में ईरान के हज्जाज ने अपने भतीजे तथा दामाद मोहम्मद बिन कासिम को भेजा, जिसने खैबर दर्रे से भारत में प्रवेश किया।

मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण
1) देवल
2) निरुन
3) सीसम के जाट
4) ब्रह्मनाबाद - दाहिर का पुत्र जयसिंह हार जाता है।
5) रावर किला - 20 June 712 AD
   ↓
   दाहिर की मौत
   ↳ विधवा लाडदेवी व पुत्री सूर्यमल व परिमल को कैद कर लेता है।
6) मुल्तान - 713 AD में विजय

→ कासिम ने 712 AD में सिंध पर "जजिया कर" लगाया।
  ↓ गैर मुस्लिमकर

→ ईसाई, यहूदी → जिम्मी
  मूर्तिपूजक → काफिर
  छूट (ब्राह्मण, विकलांग, महिला)

→ कासिम ⟶ याजिद ⟶ हबीब
  ↓ अरबों में आपसी संघर्ष

कासिम द्वारा दिरहम मुद्रा के सोने के सिक्के चलाए।

* अरब आक्रमण के प्रभाव :-
1) ऊँटपालन की शुरुआत
2) मानचित्र कला का विकास
3) मानसून की जानकारी
4) खजूर की खेती

* भारतीय ज्ञान यूरोप तक अरबों तक भेजा
  ↳ दर्शन (Philosophy)
  ज्योतिष (Astrology)
  अंक (Digit)
  चिकित्सा (medicine)

ब्रह्मगुप्त → Book : ब्रह्मस्फुट सिद्धांत (628 AD)

↳ ग्रहण

$\pi = \sqrt{10}$

द्विघात समीकरण

पृथ्वी की त्रिज्या

~~[struck]~~ संख्याओं के वर्गों का योग।

*** अरबों के मध्य संघर्ष :-**

→ भारतीय संगठन –

पुलकेशिन (विक्रमादित्य II) (733-746)
(अवनिजनाश्रय)

\+

नागभट्ट प्रथम (गुर्जर-प्रतिहार) (730-760)

\+

दंतिदुर्ग (राष्ट्रकूट)

\+

बप्पा रावल (मेवाड़)

→ 738 AD में ~~[struck]~~ अल हकब ने अरब आक्रमण किया। (असफल)

→ अगले 300 वर्ष तक अरबों को Hold करके रखा।

→ अरब – इस्लाम के प्रचार में सफल।

*** तुर्क :-**

↳ गजनी वंश (यामिनी वंश) का संस्थापक – "अल्पतगीन"
(943 – 963 AD)

↓

सुबुक्तगीन (977 – 997 AD)

• सुबुक्तगीन :-

→ अल्पतगीन का गुलाम व दामाद था।

→ प्रथम तुर्की शासक जिसने भारत पर आक्रमण किया।

→ इसने हिन्दुशाही शासक जयपाल को हराया।

→ उत्तराधिकारी – "महमूद गजनवी"

• महमूद गजनवी (998 AD – 1030 AD)

→ 27 वर्ष की आयु में गद्दी पर बैठा।

→ प्रथम 'सुल्तान' घोषित : खलीफा के द्वारा

→ दो उपाधि :- यामीन-उद्-दौला (साम्राज्य का दाहिना हाथ)

यामीन-उल-मिल्लाह (मुसलमानों का संरक्षक)

• उद्देश्य :- लूट, इस्लाम का प्रचार

↳ 17 आक्रमण (हेनरी इलियट)

• आक्रमण :-

1) पहला सफल आक्रमण – 1001 AD : वैहिन्द का युद्ध

↳ "जयपाल" (हिन्दुशाही शासक) को पराजित किया।

→ आनन्दपाल → त्रिलोचनपाल

2) 1005 AD : मुल्तान –

↳ शिया मुसलमान – दाऊद

↳ नौसाशाह को राजकाज दे कर गया।

↳ सुखपाल (जयपाल का नाती)

3) 1008 AD : नगरकोट – बज्रेश्वरी मंदिर (HP)

4) 1014 AD : थानेश्वर – (हरियाणा)

5) 1018 AD : मथुरा, वृंदावन – कन्नौज (राज्यपाल)

⇓ भाग निकला।

6) 1021-22 AD : कालिंजर – "राजा विद्याधर"

⇓ Treaty

7) 1024 AD :- अजमेर के चौहान : (गोविंद राज III & राजा वीर)

↳ गजनवी को बुरी तरह हराया

↳ गोगा जी महाराज

8) 1025 AD :- (16वां आक्रमण) – "सोमनाथ मंदिर"

↳ राजा : भीमदेव (चालुक्य)
(मोढेरा के राजपूत)

↳ थार के रास्ते
(6 - 8 June) – 1025

↳ राजा ब्रह्मदेव

→ खबर – कश्मीर – संग्रामराज (लौहार)
- खजुराहो – विद्याधर (चंदेल)
- मालवा – भोजराज (परमार वंश)
- अजमेर – अजयराज (चौहान वंश)

संगठन

9) 1027 AD – जाटों के खिलाफ अंतिम आक्रमण

→ 1030 AD :- गजनवी की मृत्यु

→ इसे बुतशिकन / मूर्तिभंजक कहा जाता है।

*** गजनवी के समकालीन लेखक :-**

• दरबारी इतिहासकार : उत्बी – Book
⇓
"किताब-उल-यामिनी"

फिरदौसी – शाहनामा (ईरान का महाकाव्य)
↓ "पूर्व का होमर"
→ 50,000 छन्द
→ फारसी भाषा

अलबरूनी – किताब-उल-हिन्द
तहकीक-ए-हिन्द
→ पुराणों का अध्ययन करने वाला मुस्लिम
→ उज्बेकिस्तान से आया।
→ 1888 : Eng Translation – एडवर्ड साची
Hindi – रजनीकांत शर्मा

• बैहकी – तारीख-ए-सुबुक्तगीन

*** मोहम्मद गौरी :-**

• वास्तविक नाम – शिहाबुद्दीन
• जन्म – ~~1173 AD~~ 1149 AD
• मृत्यु – 1206 AD (दमयक (सिंध))
• गौरी का भाई – गियासुद्दीन
(1163 – 1202 AD)

गजनी
- ख्वारिज्म
- गौर वंश

• मो० गौरी को 1173 AD में गौर प्रदेश मिला।
• भारत पर पहला आक्रमण – 1175 AD
↓
मुल्तान
→ "करमाति जाति"
(विजय)

• 1178 AD – पाटन (गुजरात) पर आक्रमण (असफल)
→ वंश : सोलंकी
रानी – नायिका देवी
बेटा – मूलराज II
→ कयाद्रा का युद्ध
→ चाहमान शासकों ने सहयोग

• समकालीन शासक / वंश –
- कन्नौज – गहड़वाल वंश
- बुंदेलखंड – चन्देल वंश
- कलचुरी – चेदी वंश
- बंगाल – पाल & सेन वंश
- दिल्ली व अजमेर – चौहान वंश
- गुजरात – चालुक्य वंश.

• पंजाब – मलिक खुसरो के विरुद्ध
• 1179 AD – पेशावर, कश्मीर, सिंध जीता
• 1186 AD – लाहौर जीता
• 1188 AD – भटिण्डा (पंजाब) जीता।

• 1191 ई० :- तराइन का प्रथम युद्ध
गौरी v/s पृथ्वीराज III (रायपिथौरा)
Book : पृथ्वी राज रासो
↳ Author : चन्दबरदाई
→ पृथ्वीराज III सफल रहा।

• 1192 AD - "तराइन का दूसरा युद्ध"
गौरी v/s पृथ्वी राज III
↓
सफल

• गौरी शासन ऐबक को सौंपकर चला गया।

1194 AD - कन्नौज शासक जयचन्द को चन्दावर के युद्ध में हराया।

• गौरी का अंतिम आक्रमण - 1205 - पंजाब की खोक्खर जातियों के खिलाफ

---

* पृथ्वीराज - चौहान :- (1178 - 1192)

* दिल्ली के संस्थापक : अनंगपाल तोमर (अनंगपाल II)
↳ पुराना नाम :- ढिल्लीकापुरी

• पिता :- सोमेश्वर सिंह चौहान
• राज्य क्षेत्र - अजमेर & दिल्ली

कन्नौज - यमुना नदी के किनारे
↳ (UP, इटावा)

---

* 1192 में मुइनुद्दीन चिश्ती भारत आए।
↳ अजमेर में दरगाह : 'अजमेर शरीफ'

• 1203 में :- कालिंजर अभियान (परमार्दिदेव)
↳ महोबा (बुंदेलखंड)
↳ सेनापति - आल्हा, उदल

⇒ आल्हा खण्ड - जगनिक
↳ राजा का दरबारी

• गौरी के अपना पुत्र नहीं था।
• गौरी के दास :-
1) ऐबक : दिल्ली + अजमेर
2) यल्दोज : ऐबक का ससुर - गजनी
3) कुबाचा :- (सिंध) - ऐबक का जीजा
4) बख्तियार खिलजी :- बंगाल + बिहार
↳ नालंदा, ओदंतपुरी, विक्रमशिला विश्वविद्यालय को नष्ट किया।

* दिल्ली सल्तनत :- (1206 - 1526 AD)

→ दिल्ली सल्तनत में 5 वंश हुए हैं -
1) गुलाम वंश (1206 - 1290) - 84 Yr.
2) खिलजी वंश (1290 - 1320) - 30 Yr.
3) तुगलक वंश (1320 - 1414) - 94 Yr.
4) सैय्यद वंश (1414 - 1451) - 37 Yr.
5) लोदी वंश (1451 - 1526) - 75 Yr.

1) गुलाम वंश / दास वंश / मामलूक वंश :-

• ऐबक : कुतबी वंश
• इल्तुतमिश : शम्सी / इल्बरी वंश
• बलबन : बलबनी वंश

→ इस वंश में कुल 11 शासक थे।
→ संस्थापक - "कुतुबुद्दीन ऐबक"
↳ राजधानी - लाहौर

• ऐबक (1206 - 1210) :-
→ इसे गौरी ने काजी अजीज कोफी से खरीदा।
→ इसे अमीर-ए-आखुर (अश्वशाला का प्रधान) का पद दिया, तथा गौरी ने अपना दामाद बना लिया।
→ अन्य नाम :-
लाख बख्श : लाखों का दान देने वाला
पील बख्श :
हातिम II
कुरान खां

→ ऐबक ने सिर्फ मलिक और सिपहसलार की उपाधि धारण किया।

→ इसने कोई सिक्का नहीं चलाया और न ही खुतबा पढ़वाया। (खुतबा ⇒ Appreciation Letter)

→ ऐबक बख्तियार काकी का शिष्य था।
↳ गुरु : मुइनुद्दीन चिश्ती

→ ऐबक का निर्माण कार्य :-

- कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद : कुतुबमीनार के N-E में।
- अढ़ाई दिन का झोपड़ा – अजमेर (RAJ)
  ↳ पहले यह संस्कृत महाविद्यालय था।
  (विग्रहराज – IV)
  ↳ कवि : हरिकेल
- कुतुबमीनार का कार्य शुरू कराया।

Note :-

- कुतुबमीनार में 5 मंजिल है।

  पहली मंजिल : ऐबक (1199 में शुरू)

  2, 3, 4 मंजिल : इल्तुतमिश

  5 वीं मंजिल : फिरोजशाह तुगलक
  ↳ 1368 में पुनः निर्माण

  1505 – सिकंदर लोदी ने मरम्मत

- ऊँचाई – 73 m.
- यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल। (1993)

- कुव्वत उल इस्लाम उत्तर भारत की पहली मस्जिद है।

- ऐबक को गुम्बद कला एवं मेहराब कला का जनक माना जाता है।

  गुम्बद (Dome Art) – ⌒

  मेहराब (Arch Art) – ⌒

- ऐबक का दरबारी कवि : "हसन निजामी"
  ↓
  Book : "ताज-उल-मासिर' → 2 भागों में
  ↓
  दिल्ली सल्तनत का प्रथम राजकीय इतिहास

- ऐबक की मृत्यु, चौगान (Polo) खेलते समय हुई।
- ऐबक का मकबरा : लाहौर (इल्तुतमिश ने बनवाया)

***आरामशाह (1210-1211) :-**

→ सिर्फ 8 महीने का शासन

दिल्ली के सरदार v/s लाहौर के सरदार
↓ ↓
इल्तुतमिश आरामशाह
↓
विजयी

↓ जूड का युद्ध

***इल्तुतमिश :- (1211-36)**

→ इल्बरी तुर्क

→ ऐबक का दामाद

→ उपाधि :- अमीर-उल-उमरा

→ पिता – इलम खाँ

→ राजधानी – दिल्ली
(दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक)

→ इसने 'इक्ता प्रथा' चलायी।
↳ (जमीन का टुकड़ा)

→ तुर्क-ए-चहलगानी का गठन किया।
↳ 40 सरदारों का दल

→ 1229 में खलीफा से खिलअत प्राप्त की।

→ इल्तुतमिश ने लाहौर पर नियंत्रण – 1217 ई०

→ इल्तुतमिश ने यल्दोज (गजनी का शासक) को तराइन के III युद्ध (1215-16) में हराया।

समकालीन शासक -

कुबाचा - मुल्तान → आत्महत्या की
अलीमर्दान - बंगाल

- इल्तुतमिश के समय मंगोलों का आक्रमण - 1221 में
  ↓ नेतृत्व : तिमूचिन (चंगेज खां)
  - ईरान (ट्रांस आक्सियाना) पर विजय : 1219
  - 1227 में मृत्यु

- इल्तुतमिश ने बंगाल जीता - 1226 में
  ↓ बिहार का सूबेदार - अलाउद्दीन जानी को बनाया।

- 1232 में ग्वालियर जीत।

> रावल महाराज उदय सिंह (जालौर) ने इल्तुतमिश को राजस्थान पर आधिपत्य नहीं करने दिया।

- इसने "सुल्तानगढ़ी" का मकबरा बनाया।
  ↳ दिल्ली : पुत्र नासिरुद्दीन महमूद की याद में।
  ↳ पहला मकबरा

- मकबरा शैली का जनक : इल्तुतमिश।

- इसने जीतल तथा टंका सिक्के जारी किए।
  जीतल → तांबा; टंका → चांदी → 11 gm

  → सिक्कों पर टकसाल का नाम लिखवाया।

- इल्तुतमिश का दरबारी इतिहासकार :
  - मिन्हाज-उस-सिराज
  Book : तबकात-ए-नासिरी

- मृत्यु :- 1236 ई.

- इल्तुतमिश का मकबरा - दिल्ली में।

* **रुकनुद्दीन फिरोज (1236) :-**

- मां :- शाह तुर्कान
- पिता - इल्तुतमिश
- मृत्यु - 1236 ई. में
- इसकी जगह "रजिया सुल्तान" गद्दी पर आई।
- इसके समय प्रांतीय इक्तेदारों ने विद्रोह किया।

* **रजिया सुल्तान (1236-40) :-**

- तुर्की इतिहास की पहली मुस्लिम शासिका।
- पिता - इल्तुतमिश
- मां - कुतुबी बेगम
- रजिया 'कुलाह' और 'कबा' पहनती थी।
- रजिया ने काले गुलाम जलालुद्दीन याकूत को अमीर-ए-आखुर बनाया।
  ↳ अमीर-ए-हाजिब (शाही प्रबंधक) बनाया।
- रणथम्भौर + ग्वालियर वापस ले लिए गए।
- रजिया के खिलाफ विद्रोह :-
  1) अल्तूनिया (भटिण्डा, तबरहिन्द, पंजाब)
  2) एतगीन (अमीर-ए-हाजिब)
  3) कबीर खां ऐयाज (लाहौर)

  → किला मुबारक में रजिया को कैद कर लिया।

- इसकी जगह इल्तुतमिश के तीसरे पुत्र "बहराम शाह" को शासक बनाया।

  नया पद : नाइब-ए-मुमलिकात (PM) → एतगीन

  वजीर : मुहाजबुद्दीन

- बहराम शाह की हत्या 1242 में हुई
  ↳ 1241 में मंगोल आक्रमण हुए।

- रजिया की हत्या 13 oct 1240 कैथल में हुई।

- मिन्हाज-उस-सिराज : "उसकी कमी सिर्फ औरत होना था"

* मसूद शाह (1242-46):

↳ रुकनुद्दीन फिरोज का पुत्र

→ नायब-ए-मुमलिकत : कुतुबुद्दीन हसन (गैर तुर्क) ⇓ भारतीय मुसलमान

→ वास्तविक शक्ति : मुहाजुद्दीन (मरवा दिया)

→ मुक्त किया : नासीरुद्दीन महमूद
↳ इसने मसूद शाह की हत्या की

* नसीरुद्दीन महमूद :- (1246-65):-

→ इल्तुतमिश का पुत्र

→ सल्तनत का औरंगजेब

→ टोपी सीकर जीवन व्यतीत करता था।

→ इसने नायब-ए-मुमलिकात बलबन को बनाया।

→ नसीरुद्दीन महमूद बलबन का दामाद था।

→ मृत्यु : 1265